

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP)**

Term-End Examination

December, 2015

1901

ELECTIVE COURSE : ECONOMICS

EEC-07 : INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN INDIA

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Attempt questions from each section as per instructions.

SECTION A

*Answer any two questions from this section in about
500 words each.*

2×20=40

1. Critically analyse the changes in the structure of private corporate sector in India.
2. Differentiate between Herfindahl Index and N-firm concentration ratio. Also explain the causes of concentration of industries in India.

- 3. Distinguish between Multinational Corporations (MNCs) and Transnational Corporations (TNCs). Discuss the role of MNCs in the development process of a country.**

- 4. Explain the various factors which influence the location of an industry. Also discuss the dynamics of industrial location.**

SECTION B

Answer any four questions from this section in about 250 words each. 4×12=48

5. Differentiate between the concepts of capacity utilisation and capacity output. Explain the significance of the concept of capacity utilisation.
6. What is Total Factor Productivity ? Explain its limitations.
7. What do you mean by representative firm ? Enumerate its shortcomings.
8. Distinguish between cost-push and demand-pull approach to pricing of a product. How is this approach applied to public utilities ?
9. Differentiate between debt and equity. Discuss the sources of equity for a company.
10. Discuss the role of industrialisation in generation of employment. Make use of diagram(s) in your answer.

SECTION C

11. Write short notes on any *two* of the following in about 100 words each :

2×6=12

- (a) Causes of globalisation
 - (b) Trends in foreign direct investment in India during the last two decades
 - (c) Classification of industries as per Industrial Policy, 1956
 - (d) Major causes of regional disparities in India
-

ई.ई.सी.-07

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र

ई.ई.सी.-07 : भारत में औद्योगिक विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : प्रत्येक खण्ड से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खण्ड क

इस खण्ड से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक)
में दीजिए ।

2×20=40

1. भारत में निजी कम्पनी क्षेत्र की संरचना में हुए परिवर्तनों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।
2. हरफैण्डाल सूचकांक एवं N-फर्म केंद्रीकरण अनुपात में भेद कीजिए । भारत में उद्योगों के केंद्रीकरण के कारणों की भी व्याख्या कीजिए ।

3. बहुराष्ट्रीय निगमों (MNCs) एवं विभिन्न देशों में स्थापित निगमों (TNCs) में भेद कीजिए । किसी देश की विकास प्रक्रिया में बहुराष्ट्रीय निगमों (MNCs) की भूमिका की चर्चा कीजिए ।

4. उद्योग की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की व्याख्या कीजिए । औद्योगिक अवस्थिति की गत्यात्मकता की भी चर्चा कीजिए ।

खण्ड ख

इस खण्ड से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों
(प्रत्येक) में दीजिए ।

4×12=48

5. क्षमता उपयोग एवं क्षमता उत्पादन की अवधारणाओं में भेद कीजिए । क्षमता उपयोग की अवधारणा के महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।
6. समस्त आगत-उत्पादकता (TFP) क्या है ? इसकी सीमाओं की व्याख्या कीजिए ।
7. प्रतिनिधि फर्म से आप क्या समझते हैं ? इसकी कमियाँ अंकित कीजिए ।
8. किसी उत्पाद की कीमत-निर्धारण प्रक्रिया में लागत-जन्य एवं माँग-प्रेरित विचारधाराओं (उपागमों) में भेद कीजिए । सार्वजनिक सेवाओं में इसका किस प्रकार प्रयोग किया जाता है ?
9. ऋण एवं अंशपूँजी (ईक्विटी) में भेद कीजिए । एक कम्पनी की अंशपूँजी संग्रहित करने के विभिन्न स्रोतों की चर्चा कीजिए ।
10. रोज़गार-निर्माण में औद्योगीकरण की भूमिका की चर्चा कीजिए । अपने उत्तर में रेखाचित्र (रेखाचित्रों) का उपयोग कीजिए ।

खण्ड ग

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए : 2×6=12

- (अ) वैश्वीकरण के कारण
 - (ब) पिछले दो दशकों में भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की प्रवृत्तियाँ
 - (स) औद्योगिक नीति, 1956 में उद्योगों का वर्गीकरण
 - (द) भारत में क्षेत्रीय विषमताओं के प्रमुख कारण
-